A-0419

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

PJ-101

खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./ 1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. सूर्यादि नवग्रहों का परिचय दीजिये।

Q.2. भचक्र में राशियों एवं नक्षत्रों के विभाजन पर प्रकाश डालें।

Q.3. पंचांग पर निबन्ध लिखिये।

Q.4. विंशोत्तरी दशा से आप क्या समझते है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

Q.5. द्रेष्काण, सप्तमांश एवं नवमांश का सोदाहरण वर्णन कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Q.2. काल का परिचय देते हुए युग गणना क्रम का उल्लेख करें।

Q.3. सौर मण्डल से क्या तात्पर्य है?

Q.4. राशि एवं नक्षत्रों का परिचय दीजिये।

P.T.O.

Q.5. पुनर्वसु, पुष्य एवं आश्लेषा नक्षत्र में उत्पन्न जातक का फल लिखिये।

Q.6. सोदाहरण तिथि साधन कीजिये।

Q.7. करण का परिचय देते हुए उनका नाम लिखिये।

Q.8. प्रत्यन्तर्दशा से आप क्या समझते है?

****